Dr. Honey Sinha
Assistant professor
Dept. of Commerce
Sub: (B.O) Business Organisation
B.Com part - 1st
SNSRKS College Saharsa

(1)

Introduction :- (Position of Directors)
(संचालकों की स्थिति)

* संचालक कि परिभाषा में संचालकों की स्थिति पर बल दिया गया है, किन्तु कम्पनी अधिनियम में संचालकों की स्थिति का भी नहीं है; अतः इसे समझना आवश्यक है। कम्पनी में संचालकों की स्थिति निम्न रूप में होती है —

(1) कम्पनी के प्रन्यासी के रूप मे :- एक कम्पनी मे संचालकों कि नियुक्ति अंशधारियों द्वारा कम्पनी के हितों की सुरक्षा, धन की सुरक्षा एवं लाभ के लिए की जाती है। इस प्रकार कम्पनी का संचालक के साथ विश्वासयुक्त सम्बन्ध होता है।

(2) कम्पनी के अभिकर्त्ता अथवा एजेण्ट के रूप में :- यद्यपि वास्तव मे संचालकों की नियुक्ति एजेण्ट की तरह नही होती है, किन्तु फिर भी कुछ मामलों में संचालकों कि स्थिति कम्पनी के एजेण्ट के रूप मे होती है।

(i) वे कम्पनी का कारोबार कम्पनी की ओर से चलाते हैं।

(ii) वे सभी अनुबन्ध कम्पनी की ओर से एवं कम्पनी

के नाम से करते हैं।

(iii) कम्पनी लगभग सभी कार्य, जो संचालकों के अधिकार में आते हैं, संचालकों द्वारा उसी प्रकार सम्पन्न किये जाते हैं जिन्हें एजेण्ट नियोक्ता की ओर से करता है।

(3) कम्पनी के प्रबन्ध साझेदार के रूप में :- संचालक अंशधारियों द्वारा कम्पनी का प्रबन्ध करने के लिए नियुक्त किये जाते हैं इसलिए वे प्रबन्धक कहलाते हैं। और चूँकि वे कम्पनी के स्वयं भी अंश लेते हैं इसलिए उन्हें कम्पनी का साझेदार भी कहा जा सकता है। किन्तु हमारी दृष्टि से सही अर्थ में उन्हें पूर्ण साझेदार कहना गलत है क्योंकि —

(i) साझेदार की तरह उनका दायित्व ~~असीमित~~ आसिमित नहीं होता, तथा

(ii) एक संचालक दूसरे संचालक को अपने कार्य के लिए उत्तरदायी नहीं ठहरा सकता जैसा कि एक साझेदार को कर सकता है। अतः इन्हें प्रबन्ध साझेदार कहना ही उपयुक्त होगा।

(4) अधिकारी के रूप मे (As an officer) :- संचालकों की कम्पनी में स्थिति अधिकारियों के रूप में होती है। कम्पनी अधिनियम की धारा 2(30) के अनुसार संचालकों को कम्पनी का अधिकारी

माना जाता है। अधिकारी के रूप में कम्पनी अधिनियम की व्यवस्थाओं का पालन न करने पर संचालकों को उत्तरदायी भी ठहराया जा सकता है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि संचालकों की स्थिति प्रन्यासी, अभिकर्त्ता, प्रबन्ध साझेदार एवं अधिकारी के रूप में होती है।

The end

Dr. Honey Sinha
Assistant professor
Dept. of commerce
SNSRKS college
Saharsa

—x—